नईदुनिया

अगले दो दिनों में भोपाल और उज्जैन संभाग तक मानसून पहुंचने की संभावना

आकाशीय बिजली और बारिश का कहर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में शुक्रवार को तेज बारिश और आकाशीय बिजली ने जनजीवन को प्रभावित किया। अलग-अलग जिलों में हुए हादसों में कुल छह लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए।

छह लोगों की मौत...

बालाघाट जिले में आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चों सहित चार लोगों की जान चली गई और आठ अन्य झुलस गए। वहीं देवास जिले में तेज आंधी और बारिश के दौरान एक मकान की गैलरी ढह जाने से दो महिलाओं की मृत्यु हो गई तथा एक बच्ची सहित तीन लोग घायल हो गए। सतना जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 17 बकरियों और दो भैंसों की भी मृत्यु हो गई।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश के अनेक जिलों में अच्छी वर्षा दर्ज की गई। सिवनी में लगभग दो इंच वर्षा हुई, जबकि शाजापुर जिले के शुजालपुर, अकोदिया तथा आसपास के क्षेत्रों में मूसलधार बारिश हुई। उज्जैन में भी डेढ़ इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। वर्षा के कारण लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली।

आंधी और वर्षा के चलते प्रदेश के अधिकांश जिलों में दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। खरगोन सबसे ठंडा जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खंडवा में 30.1, सागर में 31.1, छिंदवाड़ा में 31.8, बैतूल में 32.7, सिवनी और उमरिया में 33.2, धार में 33.4 तथा नर्मदापुरम में 33.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। बड़े शहरों में भोपाल और इंदौर में 33.8, उज्जैन में 33.5, जबलपुर में 36.7 तथा ग्वालियर में 41.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

शाजापुर जिले के शुजालपुर में लगभग दो घंटे तक हुई तेज वर्षा से कई सड़कें और निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए। गणेश मंदिर मार्ग सहित कई स्थानों पर जलभराव के कारण कुछ समय तक आवागमन प्रभावित रहा। इस वर्ष मानसून में अब तक शुजालपुर में 130 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी है। अच्छी वर्षा के बाद किसानों ने खरीफ फसलों की बुआई भी तेज कर दी है।

मंदसौर शहर सहित मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़, दलोदा और बही पार्श्वनाथ क्षेत्र में भी अच्छी वर्षा हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और किसानों को राहत मिली।

मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि अगले दो दिनों में मानसून भोपाल और उज्जैन संभाग तक पहुंच सकता है। वहीं ग्वालियर-चंबल, सागर, रीवा और शहडोल संभाग में मानसून सबसे बाद में पहुंचेगा। प्रदेश के 15 से अधिक जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान वर्षा और आंधी दर्ज की गई है।

आम बीनते नाबालिग पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की कोतवाली थाना अंतर्गत शुक्रवार की दोपहर ग्राम बिजोड़ी में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से आम के पेड़ के नीचे आम बीनते समय 15 वर्षीय नबालिक की मौके पर ही मृत्यु हुई है। थाना प्रभारी अरविन्द जैन ने बताया कि ग्राम बिजोड़ी निवासी रामनरेश यादव का 15 वर्षीय पुत्र अंश यादव उर्फ ऋषभ शुक्रवार की दोपहर तेज हवा चलने पर आम के पेड़ के नीचे आम बीनने गया था तभी बारिश के साथ समय आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हुई है।

मुख्यमंत्री बैतूल के कुकरू में आज करेंगे रात्रि चौपाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार से बैतूल जिले के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले के प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकरू पहुंचकर ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल में शामिल होंगे और ग्रामीणों से सीधा संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री शाम को सनसेट पॉइंट का अवलोकन करने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री सुबह सनराइज एवं बुच प्वाइंट पर मेडिटेशन करेंगे। इसके बाद वे स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित गतिविधियों का निरीक्षण करेंगे तथा पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के साथ कॉफी प्लांटेशन का भी अवलोकन करेंगे। मुख्यमंत्री स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे और प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के सामूहिक श्रवण में भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुक्रवार को कमिश्नर श्रीकांत बनोठ, आईजी मिथलेश कुमार शुक्ल, डीआईजी वीरेंद्र कुमार सिंह, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे और एसपी वीरेंद्र जैन ने कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया।

दिवंगत पुलिसकर्मी के परिवार को मिली एक करोड़ की सहायता

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस की कल्याणकारी योजनाएं कठिन समय में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए बड़ा सहारा साबित हो रही हैं। इसी क्रम में 35वीं वाहिनी मंडला में पदस्थ दिवंगत कार्यवाहक प्रधान आरक्षक मुकेश बंसकार के परिजनों को भारतीय स्टेट बैंक की पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत एक करोड़ रुपये की बीमा सहायता राशि प्रदान की गई। मुकेश बंसकार का सर्पदंश के कारण निधन हो गया था। उनका वेतन खाता भारतीय स्टेट बैंक की पुलिस सैलरी पैकेज योजना से जुड़ा होने के कारण उनकी नामांकित उत्तराधिकारी एवं पत्नी रजनी बंसकार को दुर्घटनावश मृत्यु बीमा के तहत एक करोड़ रुपये का चेक सौंपा गया। 35वीं वाहिनी मंडला के सेनानी राजेश रघुवंशी ने परिजनों को यह सहायता राशि प्रदान की। पुलिस वेतन पैकेज योजना के माध्यम से कई वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रख्यात कथक गुरु पद्मश्री पंडित प्रताप पवार का निधन

कला जगत में शोक की लहर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भारतीय शास्त्रीय नृत्य जगत के प्रख्यात कथक आचार्य पंडित प्रताप पवार का 25 जून 2026 को 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका जन्म 20 मई 1942 को मध्यप्रदेश के देवास में हुआ था। वे महान कथक सम्राट पंडित बिरजू महाराज के प्रथम गंडा-बंध शिष्य थे और उन्होंने छह दशक से अधिक समय तक कथक की साधना, शिक्षण तथा वैश्विक प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंडित प्रताप पवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुयाना और त्रिनिदाद में भारतीय शास्त्रीय नृत्य के प्रसार के लिए भेजा था, जहाँ उन्होंने आठ वर्षों तक कथक की शिक्षा दी। वर्ष 1981 में वे लंदन में बस गए और भारतीय विद्या भवन, लंदन में पूर्णकालिक कथक शिक्षक बनने वाले पहले कलाकार बने। 1984 में उन्होंने ट्रिवेणी डांस कंपनी की स्थापना की और कथक को फ्लेमेंको तथा अफ्रो-कैरेबियाई नृत्य शैलियों के साथ अभिनव रूप में प्रस्तुत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। उन्होंने यूरोप, एशिया और अमेरिका के अनेक प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति का गौरव बढ़ाया। भारतीय शास्त्रीय नृत्य में उनके असाधारण योगदान के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2008 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। उनके निधन से कला एवं सांस्कृतिक जगत में गहरा शोक व्याप्त है।

भारतीय हॉकी टीम में बढ़ता प्रदेश का प्रतिनिधित्व गौरव की बात : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय हॉकी टीम में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी प्रदेश के लिए गौरव और खेल विकास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने अपने निवास पर जापान में आयोजित अंडर-18 पुरुष एवं महिला हॉकी एशिया कप-2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। यह प्रतियोगिता 29 मई से 6 जून तक जापान के काकामिगाहारा शहर में आयोजित हुई थी। इस अवसर पर खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश सरकार की ओर से प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल, जबलपुर, नर्मदापुरम, सिवनी और बड़वानी सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी एशियाई खेलों और अन्य प्रतियोगिताओं में भी ये खिलाड़ी देश का नाम रोशन करेंगे।

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम में मध्यप्रदेश राज्य पुरुष हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि राज्य महिला हॉकी अकादमी की चार खिलाड़ियों ने कांस्य पदक हासिल किया। महिला खिलाड़ी नौसीन नाज टूर्नामेंट में 12 गोल के साथ टॉप स्कोरर रहीं, वहीं आयुष रजक को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में खेल एवं युवक कल्याण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इंडिगो फ्लाइट में सुप्रीम कोर्ट के वकील से मारपीट

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः दिल्ली से जबलपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6 ई-6038 में एक यात्री के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़ित ने स्वयं को उच्चतम न्यायालय का अधिवक्ता बताते हुए एक सहयात्री पर धक्का देने, गाली-गलौज करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

शुक्रवार को कोलकाता निवासी सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता सुहान मुखर्जी अपने तीन वर्षीय बेटे और एक केयरटेकर के साथ दिल्ली से जबलपुर पहुंचे थे। सुबह करीब 8:20 बजे फ्लाइट के डुमना एयरपोर्ट पर उतरने के बाद जब वह ओवरहेड केबिन से अपना हैंड बैग निकाल रहे थे, तभी पीछे खड़े एक यात्री ने उन्हें कथित तौर पर जोर से धक्का दे दिया। योगेश बंसल ने पहले गाली-गलौज की और फिर हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। आरोप है कि उसने अधिवक्ता को धक्का देते हुए विमान के अगले दरवाजे तक घसीटा और फ्लाइट स्टाफ की मौजूदगी में भी लगातार जान से मारने की धमकी देता रहा।

घटना के बाद अधिवक्ता ने खमरिया थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने उनका शासकीय सिविल अस्पताल, रांझी भेजकर मेडिकल परीक्षण कराया। थाना प्रभारी राजकुमार खटीक के अनुसार सुबह इंडिगो फ्लाइट में मारपीट की घटना सामने आई है, जिसमें पीड़ित की शिकायत पर बीएस की धारा 296, 115, 351 के तहत आरोपी योगेश बंसल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने अधिवक्ता को शासकीय सिविल अस्पताल, रांझी भेजकर मेडिकल परीक्षण कराया। मारपीट में अधिवक्ता के सिर के पिछले हिस्से, गर्दन, कंधे और पीठ में चोटें आने की बात कही है।

रतलाम में ताजिया जुलूस के दौरान बड़ा हादसा, करंट से तीन की मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पिपलौदा क्षेत्र के ग्राम हतनारा में मोहर्रम जुलूस के दौरान गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। ताजिया 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से उसमें करंट फैल गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग झुलस गए।

हादसे के बाद जुलूस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। ग्रामीणों और निजी वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 11:15 बजे की है। पंचमुखी महादेव मंदिर और मस्जिद के बीच मुख्य मार्ग से ताजिया निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ताजिया करीब 10 से 12 फीट ऊंचा था, लेकिन लोगों द्वारा उठाने के बाद इसकी ऊंचाई करीब 16 से 17 फीट तक पहुंच गई। इसी दौरान ताजिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार आवाज के साथ करंट फैल गया। इस हादसे में ग्राम हतनारा निवासी अरबाज खान, रशीद खान और सड्डू खान की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

कलेक्टर ने जाना घायलों का हाल

शुक्रवार को प्रशासन ने मामले में कार्रवाई तेज कर दी। कलेक्टर मिशा सिंह रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचीं और भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने एसडीएम रचना शर्मा और तहसीलदार देवेंद्र दानगढ़ को गांव भेजकर घटना की जांच शुरू कराई। अधिकारियों ने ताजिया कमेटी सदर अकरम मेव सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज किए।

बिजली विभाग की कार्रवाई

हादसे के बाद बिजली कंपनी ने भी कार्रवाई की है। ड्यूटी पर तैनात बिजलीकर्मी घनश्याम गिरी को निलंबित कर दिया गया है। वहीं आउटसोर्स कर्मचारियों समरथ मकवाना और गोबीलाल को बर्खास्त करने के आदेश जारी किए गए हैं।

चार-चार लाख रुपए की सहायता

प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके अलावा तत्काल सहायता के रूप में पांच-पांच हजार रुपये भी दिए गए।

कटनी में 14 वन्यजीवों की मौत से हड़कंप

तालाब के पानी में जहर मिलाने की आशंका; तीन आरोपी गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः । मध्य प्रदेश के कटनी जिले के विजयराघवगढ़ वन क्षेत्र में एक साथ 14 वन्यजीवों की मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घुघरी-कांटी गांव के पास जंगल में 12 चीतल और 2 सांभर मृत अवस्था में मिलने के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया।

प्रारंभिक जांच में वन्यजीवों की मौत जहरीला पानी पीने से होने की आशंका जताई गई है। मामले में वन विभाग ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह वन विभाग की टीम जंगल क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान तालाब के आसपास करीब 100 मीटर के दायरे में बड़ी संख्या में वन्यजीव मृत मिले। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने देखा कि कई वन्यजीवों के मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे आशंका जताई गई कि पानी में किसी जहरीले पदार्थ की मिलावट की गई होगी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच शुरू की। जांच के दौरान डॉग स्क्वॉड घुघरी गांव के एक संदिग्ध व्यक्ति के घर तक पहुंचा। तलाशी लेने पर वहां ताजा खून के निशान, वन्यजीवों के बाल, मांस, शिकार में उपयोग किए जाने वाले फंदे और अन्य सामग्री बरामद हुई। वन विभाग ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर गडौरी गांव से दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। डीएफओ गर्वित गंगवार ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने तालाब के पानी में जहर मिलाने की बात स्वीकार की है।

अमरकंटक पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सपरिवार मां नर्मदा का किया पूजन-अर्चन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित धार्मिक नगरी अमरकंटक में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुक्रवार को दो दिवसीय निजी प्रवास पर पहुंचे।

यहां उन्होंने अपनी पत्नी मुक्तेश्वरी बघेल, परिजनों और सहयोगियों के साथ मां नर्मदा उद्गम मंदिर में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की। पूर्व मुख्यमंत्री ने मां नर्मदा उद्गम कुंड में दर्शन कर श्रद्धापूर्वक मत्था टेका। नर्मदा मंदिर के पुजारी पंडित उमेश द्विवेदी (बंटी महाराज) ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनका पूजन संपन्न कराया। पूजन के बाद भूपेश बघेल ने बाबा अमरकंटक महादेव मंदिर में जलाभिषेक, पूजा-अर्चना और आरती की। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर परिसर की परिक्रमा कर 11 रुद्र महादेव मंदिर में भी दर्शन किए।

दहशत *जैतहरी में मचाया उत्पात, 25 किलोमीटर का सफर तय कर गोबरी जंगल पहुंचे....*

37 दिन बाद फिर अनूपपुर लौटे हाथी, ग्रामीणों में दहशत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र में छत्तीसगढ़ से लौटे चार जंगली हाथियों के दल ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पात मचाकर दहशत फैला दी है। गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात हाथियों का यह समूह लगभग 25 किलोमीटर का लंबा सफर तय करते हुए कई गांवों से होकर गोबरी बीट के जंगल तक पहुंचा। इस दौरान हाथियों ने खेतों में खड़ी फसलों को रौंद दिया, कई किसानों की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश कर लोगों की नींद उड़ा दी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

हाथियों का यह दल करीब 37 दिनों तक छत्तीसगढ़ के जंगलों में विचरण करने के बाद 24-25 जून की रात फिर से मध्य प्रदेश की सीमा में दाखिल हुआ। वन विभाग के अनुसार हाथियों ने जैतहरी क्षेत्र की वन बीट चोलना के गूजरनाला को पार करते हुए बचहाटोला, छातापटपर, पड़रिया और चोई के रास्ते आगे बढ़ना शुरू किया। गुरुवार की देर शाम यह दल ग्राम

पंचायत क्योटार के पटौराटोला और कुसमहाई पहुंचा, जहां से टकहुली और लहरपुर होते हुए नगर परिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक-1 में प्रवेश कर गया।

रात के अंधेरे में हाथियों ने अनूपपुर-जैतहरी-वेंकटनगर मुख्य मार्ग पार किया और जैतहरी बस स्टैंड से गुजरते हुए रेलवे लाइन को भी पार कर लिया। इसके बाद शुक्रवार सुबह तिपान नदी पार करते हुए यह दल गोबरी बीट के झुरहीतलैया जंगल में पहुंच गया, जहां दिनभर विश्राम करता रहा। वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

इस दौरान हाथियों ने टकहुली गांव में एक किसान के घर में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। खेतों और बाड़ी में लगी फसलों को भी बुरी तरह रौंद दिया। वहीं एक अन्य किसान की बाड़ी की बाउंड्रीवॉल भी हाथियों ने गिरा दी। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के अचानक गांव में पहुंचने से लोग पूरी रात दहशत में रहे और परिवारों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ली। हाथियों का दल जब जैतहरी नगर के बस स्टैंड क्षेत्र से होकर गुजरा तो पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

देर रात हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलते ही वन विभाग की निगरानी टीम और स्थानीय ग्रामीण सक्रिय हो गए। लोगों ने पटाखे फोड़कर और शोर मचाकर हाथियों को आबादी से दूर जंगल की ओर मोड़ने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद हाथियों का दल तिपान नदी की ओर बढ़ा और गोबरी जंगल में प्रवेश कर गया।

वन परिक्षेत्राधिकारी विवेक मिश्रा ने बताया कि मध्य रात्रि के समय हाथियों का समूह रेलवे लाइन पार कर वार्ड क्रमांक-4 के बंजारी टोला क्षेत्र तक पहुंच गया था। इसके बाद दल तिपान नदी पार कर सुरक्षित रूप से गोबरी जंगल की ओर बढ़ गया। हाथियों के आवागमन पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com